आनंद आ गया

आनंद आ गया आनंद आ गया,
माँ तैनू मत्था टेक के आनंद आ गया,
अख्खिआं नू स्वर्ग दी तलाश ना रही ,
द्वार तेरा जदों दा पसंद आ गया,

लख्खां दानी रोज़ तैथों दान मंगदे,
दुखी जीव सुख्खां दा सामान मंगदे,
मैं वी तेरे चरना दी धूड़ बण के ,
लैण तैथों मेहराँ दी सौगंध आ गया,
आनंद आ गया...

सुनिया तू किसे नू ना खाली मोड़दि,
भुल्लके ना आस दियां डोरां तोडदी,
दित्तियां मुरादां ओहनू दिल खोल के ,
सच्चे दिलों जो वी गरज़मन्द आ गया,
आनंद आ गया.....

जेहड़ा सुख तेरी माँ गुलामी करके,
ओ नहियो रब दा वी ध्यान धरके,
तेरी देहलीज उत्ते निम्म के नई माँ,
नज़र तेरा रुतबा बुलंद आ गया,
आनंद आ गया.....

निर्दोष ममता दी सोंह तैनू,
अपने तों दूर ना करीं मैनू,
जिद्दां तू नचाएंगी मैं नच्ची जावांगा,
होण तेरे हुक्म दा पाबंद आ गया,
आनंद आ गया...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5331/title/anand-aa-geya-andan-aa-geya-mian-tenu-matha-tek-ke-andan-aa-geya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |